भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **2683**

दिनांक 16 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थिति और कार्य-निष्पादन

2683. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:
डॉ. बायरेड्डी शबरी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राज्य-वार विशेष आर्थिक क्षेत्रों की कुल संख्या और औपचारिक रूप से अनुमोदित, अधिसूचित, परिचालनरत और गैर-परिचालनरत विशेष आर्थिक क्षेत्रों की संख्या कितनी

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान विशेष आर्थिक क्षेत्रों से आवंटित भूमि बनाम उपयोग की गई भूमि, अनुमोदित बनाम वास्तविक निवेश, अनुमोदित बनाम वास्तविक रोजगार और निर्यात लक्ष्यों बनाम वास्तविक निर्यात का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) ऐसे एसईजेड की संख्या कितनी है जो पांच वर्षों से अधिक समय से गैर-परिचालनरत है अथवा जिनका कम उपयोग किया गया है (50 प्रतिशत से कम क्षमता का उपयोग), और क्या सरकार ने ऐसे अल्प कार्य-निष्पादन के कारणों की कोई औपचारिक समीक्षा अथवा आकलन किया है

(घ) क्या सरकार का इलेक्ट्रॉनिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडकटर और हरित विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों के साथ तालमेल बिठाने के लिए खराब कार्य-निष्पादन करने वाले एसईजेड का पुनरुद्धार करने, उनका पुनः उद्देश्य निर्धारित करने या उन्हें अधिसूचित श्रेणी से बाहर करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विशेष आर्थिक जोन अधिनियम, 2005 में प्रस्तावित संशोधनों अथवा अन्य समर्थकारी कानूनों सहित ऐसे नीतिगत सुधारों के कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)- वार औपचारिक रूप से अनुमोदित, अधिसूचित, परिचालनरत और गैर-परिचालनरत विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की संख्या का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख): पिछले पांच वर्षों के दौरान अधिसूचित भूमि क्षेत्र, उपयोग किए गए भूमि क्षेत्र, निवेश, रोजगार और एसईजेड से निर्यात का राज्य/संघ राज्य-वार और वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग): क्षेत्र-वार एसईजेड की संख्या जो पांच वर्षों से अधिक समय से गैर परिचालित या कम उपयोग में हैं, का ब्यौरा **अनुलग्नक-III** में दिया गया है।

विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) को परिचालित करने में लगने वाला समय कई कारणों से हो सकता है, जिनमें सांविधिक/राज्य सरकारी निकायों से अनुमोदन प्राप्त करने में लगने वाला समय, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बदलाव के कारण प्रतिकूल व्यापारिक वातावरण, राजकोषीय प्रोत्साहनों में परिवर्तन आदि शामिल हैं। वाणिज्य विभाग के समग्र पर्यवेक्षण के तहत, संबंधित विकास आयुक्तों के कार्यालय अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी एसईजेड की स्थिति की समीक्षा करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित राज्य सरकारों और विकासकर्ताओं के साथ नियमित रूप से नियोजित रहते हैं ताकि आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जा सकें।

(घ) एवं (ङ): एसईजेड की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने और उन्हें उभरते क्षेत्रों के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से, सरकार विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एसईजेड में परिचालन संबंधी चुनौतियों को दूर करने के लिए समय-समय पर अनेक उपाय करती है। नीतिगत पहलों सहित ऐसे उपाय या सुधार एक सतत प्रक्रिया है और एसईजेड के प्रशासन का अभिन्न अंग है। जहाँ तक अधिसूचना से बाहर करने का संबंध है इसे एसईजेड अधिनियम और नियमों के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार की किया जाता है।

दिनांक 16.12.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2683 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक-I

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	औपचारिक रूप से अनुमोदित	कुल अधिसूचित एसईजेड	कुल परिचालनरत एसईजेड	गैर-परिचालनरत एसईजेड
आंध्र प्रदेश	35	30	25	5
अरुणाचल प्रदेश	1	1	0	1
बिहार	2	2	0	2
चंडीगढ़	2	2	2	0
छत्तीसगढ	3	2	1	1
दिल्ली	2	0	0	0
गोवा	7	3	0	3
गुजरात	31	27	22	5
हरियाणा	25	22	8	14
झारखंड	2	2	1	1
कर्नाटक	61	50	38	12
केरल	24	20	19	1
मध्य प्रदेश	13	8	6	2
महाराष्ट्र	47	41	36	5
मणिपुर	1	1	0	1
नागालैंड	2	2	0	2
ओडिशा	7	5	5	0
पुदुचेरी	1	0	0	0
पंजाब	5	3	3	0
राजस्थान	7	6	3	3
सिक्किम	1	0	0	0
तमिलनाडु	60	58	49	9
तेलंगाना	58	53	37	16
त्रिपुरा	1	1	0	1
उत्तर प्रदेश	26	23	14	9
पश्चिम बंगाल	10	8	7	1
कुल योग	**434**	**370**	**276**	**94**

दिनांक 16.12.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2683 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक-II

पिछले पांच वर्षों के दौरान अधिसूचित और उपयोग किए गए भूमि क्षेत्र का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण (हेक्टेयर में)		
राज्य/संघ राज्य	**कुल अधिसूचित क्षेत्र**	**कुल परिचालनरत एसईजेड क्षेत्र**
आंध्र प्रदेश	167.12	0.00
बिहार	101.782	0.000
हरियाणा	59.94	0.00
कर्नाटक	8.02	4.99
महाराष्ट्र	53.41	2.10
तमिलनाडु	282.32	42.04
तेलंगाना	89.41	28.92
कुल	**762.00**	**78.04**

पिछले 5 वर्षों के दौरान एसईजेड से किए गए निर्यात का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र- वार विवरण						
(करोड़ रूपये में)						
क्र.सं.	**राज्य**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1	आंध्र प्रदेश	28112	31029	40420	44984	55247
2	चंडीगढ़	2575	2605	3022	3200	3085
3	छत्तीसगढ	0	0	0	0	0
4	गुजरात	137229	239190	335836	310283	332892
5	हरियाणा	25030	25907	32740	36774	43199
6	झारखंड	0	0	364	6326	6856
7	कर्नाटक	132110	167311	218773	228952	248839
8	केरल	19279	21972	21501	25774	28800
9	मध्य प्रदेश	11176	12571	12859	16027	14847
10	महाराष्ट्र	138789	160052	186787	210756	224251
11	ओडिशा	13454	26367	27166	31332	29695
12	पंजाब	1845	2127	2685	3132	2361

13	राजस्थान	3534	4578	5507	7141	13636
14	तमिलनाडु	116844	136329	172580	177930	203304
15	तेलंगाना	84696	105524	140373	178086	173701
16	उत्तर प्रदेश	26580	33015	39836	47704	51138
17	पश्चिम बंगाल	18272	22169	23129	26817	31820
	कुल	**759524**	**990747**	**1263578**	**1355220**	**1463669**

पिछले 5 वर्षों के दौरान एसईजेड में निवेश का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र- वार विवरण						
(करोड़ रूपये में)						
क्र.स	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1	आंध्र प्रदेश	31174	39470	41738	42363	42742
2	चंडीगढ़	398	438	552	513	530
3	छत्तीसगढ	1635	1635	1635	1635	1635
4	गोवा	297	0	0	0	0
5	गुजरात	208067	219565	223398	209204	265120
6	हरियाणा	14319	14287	14616	15579	16858
7	झारखंड	0	0	0	13622	13676
8	कर्नाटक	104489	105911	106650	107159	108776
9	केरल	17034	17192	17984	18020	18020
10	मध्य प्रदेश	7291	7350	7612	7658	7724
11	महाराष्ट्र	72235	75571	79718	88520	90301
12	ओडिशा	20434	20444	20444	20444	22829
13	पंजाब	940	961	983	1022	662
14	राजस्थान	2315	2505	2611	2899	2978
15	तमिलनाडु	66157	64903	54908	77439	72041
16	तेलंगाना	42658	48100	52610	60540	76587
17	उत्तर प्रदेश	22105	24408	27759	33760	34191
18	पश्चिम बंगाल	5951	6966	6966	6966	7521

कुल	617499	649705	660184	707342	782192

नोट: गणना संचयी आधार पर की गई है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान एसईजेड में रोजगार का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण						
(व्यक्तियों की संख्या)						
क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1	आंध्र प्रदेश	70121	75907	78866	79831	79523
2	चंडीगढ़	7883	8972	10784	9475	8562
3	छत्तीसगढ	6	6	6	6	6
4	गोवा	0	0	0	0	0
5	गुजरात	96689	105922	112899	126658	174545
6	हरियाणा	135092	150482	178413	182783	198668
7	झारखंड	0	0	0	79	69
8	कर्नाटक	374890	398580	401232	424497	424715
9	केरल	79294	82640	86484	89189	89106
10	मध्य प्रदेश	27354	31127	36401	35955	35316
11	महाराष्ट्र	474690	560052	589971	635373	643898
12	ओडिशा	8261	8222	13538	14513	13133
13	पंजाब	8187	9545	12079	11216	11801
14	राजस्थान	22341	23402	24581	35469	48886
15	तमिलनाडु	479674	523807	591517	728493	607812
16	तेलंगाना	362797	469781	500415	538714	527246
17	उत्तर प्रदेश	137480	161712	184871	196662	223306
18	पश्चिम बंगाल	73377	86023	73555	85191	91301
कुल		**2358136**	**2696180**	**2895612**	**3194104**	**3177893**

नोट: गणना संचयी आधार पर की गई है।

दिनांक 16.12.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2683 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक-III

क्र.सं.	क्षेत्रीय एसईजेड का नाम	5 वर्षों से अधिक समय से गैर परिचालित या अल्प उपयोग में आने वाले* एसईजेड की संख्या
1.	कोचीन एसईजेड (सीएसईजेड)	15
2.	फाल्टा एसईजेड (एफएसईजेड)	3
3.	कांडला एसईजेड (केएएसईजेड)	9
4.	मद्रास निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र एसईजेड (एमईपीजेड एसईजेड)	21
5.	नोएडा एसईजेड (एनएसईजेड)	31
6.	सांताक्रूज़ इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग क्षेत्र एसईजेड (सीप्ज एसईजेड)	9
7.	विशाखापत्तनम एसईजेड (वीएसईजेड)	34
कुल		**122**

* एसईजेड में भूमि उपयोग 50% से कम है।

****